गज़ल

हो धनी दिल में तेरे इश्क के सिवा कुछ भी नहीं
मेरे दिल में ओ पिया दर्द तेरा कुछ भी नहीं

1- रूह की रहनी की चाहो तो तलाशी ले लो
मेरी रहनी में कहनी के सिवा कुछ भी नहीं

2- नज़रें मेहर की हुई हैं अक्स पर भी मेरे
मेरे दिल में तेरी चाहत का असर कुछ भी नहीं

3- काम करवाते हो तुम खुद ही शोभा रूह को दी
दिल में जहर लब पे पत्थर के सिवा कुछ भी नहीं

4- क्यूँ हुआ है ये मेरा हाल इश्क में थी पली
दिल में अब मेरे गुनाहों के सिवा कुछ भी नहीं

5- तुमने बेशक होके फिर भी किया है लाड मुझे
है लानत मुझी में शक के सिवा कुछ भी नहीं

Nijanand App